इस वर्णन में बच्चों, अन्य
लोगों व समुदाय के स्थानों
के नाम काल्पनिक हैं।
परन्तु काउंटी की विभिन्न
एजेंसियों व समुदाय से
बाहर के उन लोगों के नाम
मैंने नहीं बदले हैं जिन्होंने
हमारी मदद की।

– जूलिया वेबर गॉर्डन

पहला वर्ष

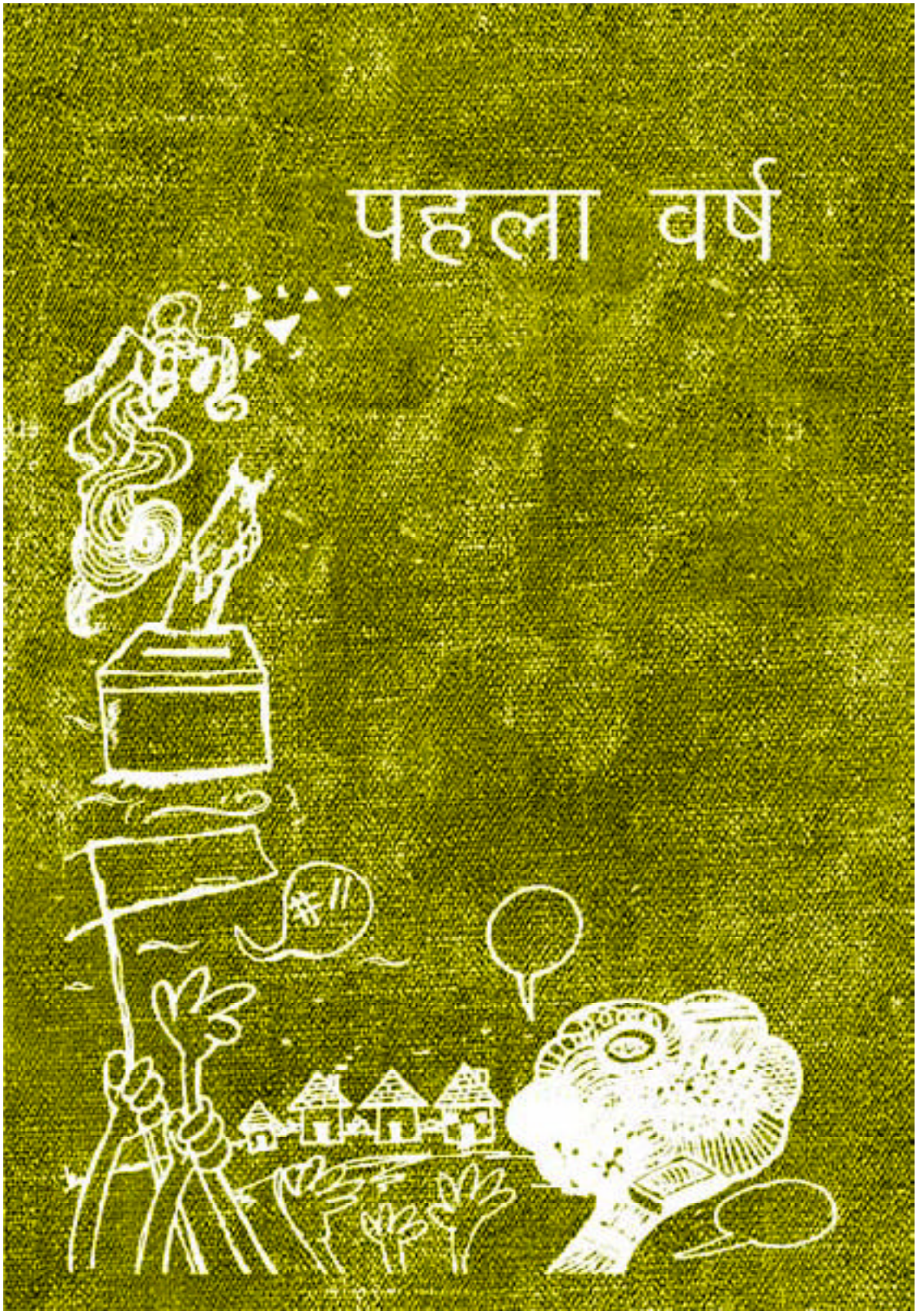

1

मैंने बच्चों को जानना सीखा

पहले दिन की तैयारी

शुक्रवार, 5 जून 1936

मैं आज उस नन्ही-सी शाला को देखने गई जहाँ मैं आगामी पतझड़ से पढ़ाने वाली हूँ। जब मैं धूप में चमचमाते उस सफेद, डिब्बेनुमा साफ-सुथरे भवन के द्वार तक पहुँची तो उसने मन में एक विचित्र-सी उत्तेजना जगाई। एकल-शिक्षक शालाओं तथा एक सतत विकसित होते हुए रचनात्मक व लोकतांत्रिक जीवन के लिए बच्चों को तैयार करने के जो अवसर वे देती हैं, उनमें मेरी गहरी आस्था है। यहाँ मुझे बच्चों के एक समूह के पास रहने और उन्हें घनिष्ठता से जानने का अवसर मिल सकेगा। मेरे पास वे उस अवधि तक रहेंगे कि मैं उन्हें एक यथासम्भव सम्पन्न वातावरण में दिशादर्शन के सहारे बड़े होते और अपनी क्षमताओं का विकास करते देख सकूँ। मैं दरवाज़े पर एक पल रुकी और मैंने शाला भवन के इर्द-गिर्द पसरे जंगल पर नज़र दौड़ाई। हाल में हुई वर्षा ने पत्तों को चमका दिया था और जंगल महक रहा था। "यह सब हमारी प्रयोगशाला होगी," मैंने सोचा।

जब मैं कक्षा में दाखिल हुई तो बच्चे अपने वार्षिक खेल दिवस के लिए एक सर्कस तैयार कर रहे थे। कुछ बच्चों ने मेरी ओर सँकुचाई-सी दृष्टि डाली, पर सभी काम में जुटे रहे। इस दौरान उनकी शिक्षिका ने उनकी पृष्ठभूमियों, योग्यताओं और भावनात्मक विकास से सम्बन्धित ज़रूरी बातें मुझे बताईं। इस वार्तालाप के दौरान मैंने जो नोट्स लिए थे और बच्चों के नाम, आयु और कक्षाओं की एक सूची के अलावा अन्य कोई रिकॉर्ड मुझे नहीं दिया गया।

कक्षा	नाम	आयु (वर्ष - माह)
8	एना ओल्सेउस्की	13 - 5
8	ओल्गा प्रिन्लैक	15 - 8
7	कैथरीन सामेटिस	13 - 7
7	रूथ थॉमसन	15 - 2
7	सोफिया सामेटिस	10 - 8
6	डॉरिस एण्ड्रयूस्	11 - 3
6	मेरी ओल्सेउस्की	10 - 10
6	फ्रैंक प्रिन्लैक	14 - 8
5	मे एण्ड्रयूस्	9 - 3
5	वॉरेन हिल	9 - 7
5	जॉर्ज प्रिन्लैक	12 - 4
5	एडवर्ड वैनिस्की	10 - 10
4	हेलेन ओल्सेउस्की	8 - 0
4	एण्ड्रयू डूलिओ	12 - 2
3	एल्बर्ट हिल	8 - 3
3	पर्ल प्रिन्लैक	10 - 1
3	मार्था जोन्स	8 - 9
3	जोसेफ डण्डर	13 - 5
3	वर्ना कार्टराइट	11 - 2
3	एलेक्स कार्टराइट	12 - 1
3	गस कार्टराइट	13 - 2
2	एलिस प्रिन्लैक	8 - 8
2	वॉल्टर विलियम्स	7 - 1
2	विलियम्स सामेटिस	7 - 8
प्रारम्भिक बच्चे		
	रिचर्ड कार्टराइट	8 - 6
	जॉन डण्डर	8 - 4
	जॉयस विलियम्स	5 - 4

सोमवार, 6 जुलाई

मैं शाला भवन में गई और अलमारी की सारी किताबें बाहर निकालीं। ज़्यादातर किताबें अच्छी हैं, यद्यपि उनकी संख्या कम है। अलमारी की ऊपरी टाँड में मैंने पुरानी अनुपयोगी किताबें जमा दीं जिनके बारे में मुझे पता है कि मैं उन्हें कभी काम में न लूँगी, पर उन्हें फाड़ने की मेरी हिम्मत न हुई। शेष किताबों में से एक-एक प्रति घर ले जाने के लिए अलग रखने के बाद, मैंने बाकी किताबें ताकों पर तरतीब से सहेज दीं ताकि सितम्बर में वे मुझे सुविधा से मिल जाएँ। जब तक मैं बच्चों के बारे में तथा एकल-शिक्षक शाला को चलाने के बारे में और नहीं जान लेती, मुझे इन्हीं किताबों के बुनियादी पाठों का सहारा लेना होगा।

पुस्तकालय किस्म की तकरीबन दर्जन भर किताबें भी हैं, और उनकी हालत से अन्दाज़ा लगा कि बच्चे उन्हें बारम्बार पढ़ चुके होंगे। स्कूल खुलने से पहले मैं काउंटी पुस्तकालय जाऊँगी और कुछ नई किताबें ले लूँगी। लगता है प्रथम वर्ष में मेरे दो उद्देश्य रहेंगे। पहला, बच्चों की आवश्यकताओं और उनकी योग्यताओं के बारे में यथासम्भव जान लेना। दूसरा, हमारे सामूहिक, रोज़मर्रा के जीवन से मिले अवसरों और आसपास के समुदाय के पास उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से इन आवश्यकताओं की पूर्ति करना तथा बच्चों की योग्यताओं का विकास आरम्भ करना।

सोमवार, 7 सितम्बर

आज शाला भवन आसपास उगी खरपतवार के बीच बेहद अकेला लग रहा था। गर्मियों में भी शाला भवनों का इस्तेमाल होना चाहिए। मैं पहुँची तब श्री हार्ट खिड़कियाँ साफ कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वे साल में एक बार अलाव व चिमनी, खिड़कियाँ व दीवारें साफ करने और फर्श को तेल से चमकाने आते हैं। बाकी समय हमें खुद सफाई रखनी होती है। मैंने आस्तीन चढ़ाई और मैं कमरे को व्यवस्थित करने लगी और वह सारा सामान जमाने लगी जिसकी हमें पहले दिन ज़रूरत होगी। मेज़-कुर्सियाँ अपने स्थान पर ठुकी नहीं हैं, उन्हें हटाया जा सकता है। इनके अलावा कमरे में किताबों की दो छोटी अलमारियाँ हैं, एक पुराना ऑर्गन, शिक्षक के लिए एक मेज़ और एक पहिएदार कुर्सी है। घर की बनी एक मेज़ और चार कुर्सियाँ भी मुझे विरासत में मिली हैं जो सन्तरे के क्रेटों से बनी हैं और जिनका उपयोग पिछले वर्षों में शायद पुस्तकालय कोने के रूप

में किया जाता था। कमरे के एक कोने में एक अलाव है। कमरे के प्रवेश दरवाज़े के बाहर एक छोटा-सा हॉल है जिसमें एक सिंक लगा है, पर चालू पानी नहीं है। यह हिस्सा कोट आदि टाँगने के लिए काम आता है। दूसरी ओर एक रसोई है। वहाँ दीवार में ही दो अलमारियाँ बनी हुई हैं, फर्श से छत तक। पकाने-खाने के सभी बरतन-भाँडे इनमें आराम से समा सकते हैं। वहाँ तेल का दो-मुँहा स्टोव भी है।

जब मैं और श्री हार्ट वहाँ से निकले तो शाला भवन साफ-सुथरा था, और वैसा नज़र भी आ रहा था। इस साल अन्दरूनी दीवारें हल्के मलाइया-पीले रंग से पोती गई हैं।

मंगलवार, 8 सितम्बर

गर्मियों के दौरान मैंने फैनी डन्न तथा मार्सिया एवरेट की किताब *फोर ईयर्स इन अ कंट्री स्कूल* फिर से पढ़ी और उन पाठ्यपुस्तकों को भी देखा जिनका इस्तेमाल मुझे करना है। आज मैं पहले दिन की तैयारी करने का महत्वपूर्ण काम करने बैठी हूँ। बच्चों को यह लगना चाहिए कि उन्होंने सच में कुछ हासिल किया, और जो समय यह सब करते गुज़ारा उसमें उन्हें मज़ा भी आया। तभी तो अगले दिन लौटकर आने की चाह जागेगी। जो कार्यक्रम मैं बनाऊँ वह मुझे बच्चों को काम करते देखने का मौका भी दे, ताकि मैं उन्हें जान सकूँ और उनके मनोभाव ताड़ सकूँ। पर साथ ही यह कार्यक्रम इतना तयशुदा तो हो ही कि मैं आत्मविश्वास से बच्चों के साथ हँस-खेल सकूँ और वे मुझे अपना दोस्त मान सकें। समूचे साल की सफलता और असफलता काफी हद तक इस पहले दिन पर टिकी हुई है। मेरी योजना की रूपरेखा यों है:

प्रातः 9 से 9:30: मेज़-कुर्सियों की ऊँचाई बच्चों के हिसाब से ठीक करना। किताबें और सामग्रियाँ बाँटना (इससे बच्चों को शुरू से ही सक्रिय रूप से कुछ करने को मिलेगा)।

9:30 से 10:30: सामाजिक अध्ययन। शुरू में दस मिनट बच्चों को कुछ बताना। सम्भव हो तो उन्हें अपने विषय में कुछ बताने को उकसाना।

बड़ी कक्षाओं (छठी, सातवीं, आठवीं) के समूह और बीच के (चौथी, पाँचवीं के) समूह को इतिहास की पाठ्यपुस्तक के कुछ पन्ने पढ़ने को कहना। जिन

सवालों के जवाब उन्हें देने हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिख देना होगा। ये बच्चे खुद पढ़ेंगे और मैं अगले बीस मिनट प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों से बातचीत करूँगी।

प्राथमिक बच्चों से यह बात करूँगी कि गर्मियों में उन्होंने क्या-क्या मज़े किए। छोटे बच्चे अमूमन बात करते समय अपने पालतू जानवरों पर आ जाते हैं। कोशिश यह करनी होगी कि सभी बच्चे कुछ योगदान ज़रूर करें। उनके साथ छोटी-छोटी पुस्तकें बनाने की योजना बनाऊँगी, जो शायद उनके पालतू जानवरों पर होंगी। उनसे कहूँगी कि वे चित्र बनाएँ और जो कुछ उन्होंने चर्चा में कहा था उसे लिख डालें।

प्राथमिक बच्चे अपना काम जारी रखेंगे और मैं बिचले समूह के साथ पन्द्रह मिनट काम करूँगी। हम एक-एक कर सभी सवालों पर चर्चा करेंगे। तब प्राथमिक बच्चे बिचले समूह के एक बच्चे के नेतृत्व में बाहर चले जाएँगे। बिचले समूह के शेष बच्चे चर्चा के अनुसार काम जारी रखेंगे। मैं तब बड़ी कक्षाओं के बच्चों के साथ पन्द्रह मिनट की चर्चा करूँगी। बातचीत उसी तरह होगी जैसे बिचले समूह के साथ हुई थी।

10:30 से 10:50: शारीरिक शिक्षा। चौथी से आठवीं तक की कक्षाओं के बच्चों को डॉज बॉल खिलवाना शुरू कर प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के साथ खेलूँगी।

10:50 से 12:00: प्राथमिक बच्चों की "क्लार्क इंग्राहम पठन निदान परीक्षा" लूँगी। (इससे उनकी पठन क्षमता का कुछ पता चल सकेगा।) इस दौरान बड़े बच्चे अपनी-अपनी "रीडर" में से पहली कहानी पढ़ेंगे और उनकी समझ को जाँचने के लिए कुछ सवालों के जवाब देंगे। यह काम खत्म करने पर वे पुस्तकालय से लाई नई किताबें देख-पढ़ सकेंगे, जिन्हें मैं स्कूल ले जाऊँगी।

12:00 से 1:00: बीस मिनट का भोजन अवकाश और फिर मैदान में खेल-कूद।

1:00 से 1:30: प्रार्थना इत्यादि। बाइबल पढ़ना, अमरीकी ध्वज को सलाम। संगीत: बच्चों से *गोल्डन बुक ऑफ सॉंग्स* से चुनकर गीत गाने को कहना।

1:30 से 2:15: बड़े बच्चों का गणित निदान टेस्ट लूँगी। छोटे बच्चे पुस्तकालय की किताबें देख-पढ़ सकेंगे और बाहर खेलेंगे। यह पीरियड मुझे बच्चों के काम का अवलोकन करने का मौका देगा। सवा दो बजे प्राथमिक बच्चे घर लौट जाएँगे।

2:15 से 2:30: शारीरिक शिक्षा। बड़ी कक्षाओं के बच्चों के साथ कोई खेल खेलना।

2:30 से 2:45: वर्तनी। सातवीं व आठवीं कक्षाओं को मिलाकर आठवीं के शब्दों की परीक्षा। पाँचवीं-छठी को मिलाकर छठी के शब्द। चौथी कक्षा के लिए चौथी के शब्द। सभी बच्चों को एक साथ बैठाकर यह सिखाना होगा कि वे अपने-अपने शब्दों को स्वतंत्र और निपुण ढंग से कैसे पढ़ें और सीखें।

2:45 से 3:30: गणित। सभी बच्चे कमोबेश व्यक्तिगत स्तर पर काम करेंगे। वे अपनी किताबों की शुरुआत में दिए गए दोहराव के पाठ से प्रारम्भ करेंगे। मुझे उनकी काम करने की आदतों के अवलोकन का मौका फिर से मिलेगा।

यह योजना वैसे तो काफी औपचारिक-सी लग रही है, पर बच्चों के साथ मेरा बर्ताव अनौपचारिक और दोस्ताना भी हो सकता है।

बुधवार, 9 सितम्बर

सुबह घर से निकलते समय डर और थरथराहट-सी थी। मैं तैयार थी और जानती थी कि कक्षा व्यवस्थित है, सामग्रियाँ करीने से रखी हैं, और पूरे दिन की सावधानीपूर्वक योजना बना ली गई है, पर अपनी सारी अपर्याप्तताओं के बोझ का एहसास मुझे दबा रहा था। घर से शाला भवन की दूरी ग्यारह मील है, और रास्ते भर मैं अपने सम्बोधन को दोहराती रही। मैं बच्चों को बताऊँगी कि खुद को उनके बीच में पाकर मैं कितनी खुश हूँ; यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक निहायत खूबसूरत जगह पर रहते हैं, और हम मिलजुलकर उसकी खोजबीन करेंगे। मैं उन्हें यह भी बताऊँगी कि यह साल कमोबेश वैसा ही बनेगा जैसा हम उसे बनाएँगे। हम अपनी समस्याओं के समाधान साथ-साथ तलाशेंगे और एक-दूसरे को समझने की कोशिश करेंगे।

पर यह भय मुझे सताने लगा कि बच्चे समझेंगे नहीं। शायद मुझे एक कहानी कहनी चाहिए, एक हास्यकथा, पर खूब सोचने पर भी एक भी उपयुक्त कहानी नहीं सूझी।

जब मैं स्कूल पहुँची तो बच्चे दरवाज़े के इर्द-गिर्द इकट्ठे खड़े थे और उसमें घुसना ही मुश्किल था। वे मेरे साथ ही दाखिल हुए और तब तक स्थान बदलते रहे जब तक उन्हें मन-माफिक जगह न मिल गई। अन्ततः कमरे में शान्ति-सी

छा गई और वे मुझे आतुरता से देखने लगे। स्कूल शुरू करने के अलावा कोई चारा न था। हमने मेज़-कुर्सियों की ऊँचाई सही की। रैल्फ और फ्रैंक ने इस काम की देख-रेख की। नौ बजते-बजते हम काम शुरू करने को तैयार थे। बच्चे आज चुप थे और अधिकतर वह सब करते रहे जो उन्हें कहा गया।

कुछ बच्चे समूह में अलग नज़र आते हैं। रैल्फ और फ्रैंक, दो बड़े लड़के, और एना व रूथ मौका पड़ते ही मदद को तैयार रहते हैं। मार्था की आँखें ज़ोर से चमकती हैं। हिल लड़कों की मुस्कान प्यारी-सी है। ओल्गा इतनी बड़ी और शर्मीली है और वह असहज-सी महसूस करती लगती है। दोनों नन्हे विलियम्स बच्चे घबराए-से लगते हैं। ढेरों कार्टराइट बच्चे हैं। जोसेफ डण्डर, जो मनौवैज्ञानिक क्लिनिक की रिपोर्ट के अनुसार लगभग मनोरोगी है, ने नाक में दम कर दिया। सभी बच्चे शर्मीले और संकोची लगे।

गुरुवार, 10 सितम्बर

आज की समय सारणी लगभग कल सी थी और मेरा मुख्य उद्देश्य था बच्चों के बारे में और अधिक जानना। पठन की कक्षाओं में मैंने हरेक बच्चे को बोलकर पढ़ते सुना और मैंने यह तय कर लिया है कि मैं फिलहाल उनके अस्थायी समूह कैसे बनाऊँगी। मैंने पाया कि इतिहास के पाठ आठवीं के बच्चों के अलावा दोनों समूहों को समझने में बेहद कठिन लग रहे हैं। एण्ड्रयू, जिसे दरअसल चौथी में होना चाहिए, प्रवेशिका तक नहीं पढ़ पाता है। प्राथमिक बच्चों ने अपनी पठन परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया, परन्तु चौथी और उसके बाद की कक्षाओं के बच्चों का पठन कौशल आम तौर पर कमज़ोर है। कुछ ही बच्चे हैं जिन्हें पढ़ना पसन्द है। सभी ने पुस्तकालय की किताबों के चित्र देखे, पर कुछ ही लड़कियों ने उन्हें पढ़ना शुरू किया है। इस सबसे लगता है कि मेरा सबसे बड़ा काम होगा इन बच्चों को छपे पन्नों से अधिकतम निकाल पाने में मदद करना और पढ़ने में आनन्द लेना सिखाना। मेरे ख्याल में पढ़ने की क्षमता में कमी का एक कारण यह है कि यहाँ पढ़ने के अनुभव का ही अभाव है। मैंने गौर किया कि वे पढ़ते समय कई कठिन शब्दों की जगह चालू भाषा के शब्द रख काम चला लेते हैं।

आज बच्चों की दो अन्य आवश्यकताएँ भी सामने आईं। पहली तो यह कि इन बच्चों को न तो साथ-साथ खेलना आता है, न ही वे साथ खेलना चाहते हैं। कल

लड़कियों को लड़कों के साथ डॉजबॉल के खेल में दिक्कत हुई थी। लड़कियों ने कहा कि लड़के बड़े उजड्ड हैं। आज लड़कियों ने कहा कि वे छोटे बच्चों के साथ खेलना चाहती हैं। लड़कों के लिए जो खेल मैंने शुरू करवाया था वह जल्दी ही बन्द हो गया और वे हमें खेलते देखने लगे। मैंने उन्हें साथ खेलने को आमंत्रित किया और जवाब में वे हँस पड़े। मैंने देखा कि रैल्फ इनका नेता लग रहा था और मैंने मन में गाँठ बाँध ली कि उसे अपनी पाली में मिलाने का उपाय मुझे ढूँढना होगा।

दूसरा, अगर इन बच्चों से ऐसी किसी गतिविधि में हिस्सा लेने को कहा जाता है जिसे वे स्कूली काम नहीं मानते तो वे असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। अधिकतर लड़के गाते नहीं हैं। वे मुझे कहते हैं कि वे गा नहीं सकते। मैंने जानना चाहा कि क्या वे हारमोनिका बजाना सीखना चाहेंगे। उनकी प्रतिक्रिया ठीक-ठाक थी। इससे इन अतिसंवेदनशील लड़कों को संगीत का कुछ अनुभव मिल सकेगा।

आज बच्चों से व्यक्तिगत स्तर पर थोड़ी निकटता आ पाई। वॉरेन दो बार अपना काम न कर पाने के कारण रो पड़ा। पहली बार मैंने अनदेखी की, पर दूसरी बार वह इतनी ज़ोर से रो रहा था कि मैं शारीरिक शिक्षा वाली कक्षा को खुद खेलने छोड़ उससे बात करने आई। मैंने कहा, "वॉरेन, हम अपनी समस्याओं पर रोते नहीं हैं, उन्हें सुलझाने की कोशिश करते हैं। मेरा काम यह भी है कि मैं तुम्हारी उन समस्याओं को सुलझाने में मदद करूँ जिन्हें तुम खुद नहीं सुलझा पाते। रोने के बदले क्या तुम मुझे यह नहीं बताओगे कि तुम्हारी परेशानी क्या है?" दो गहरी साँसों के बीच उसने कहा कि वह कोशिश करेगा।

जॉन और जोसेफ डण्डर आज अनुपस्थित थे। इससे मुझे मौका मिला कि मैं उनके घर जाऊँ और उनके माता-पिता से परिचय कर लूँ। वॉरेन ने कहा कि वह मुझे डण्डर परिवार का घर दिखा देगा और उसके कुछ और करीब आ पाने के इस अवसर का मैंने स्वागत किया। वॉरेन का भाई एल्बर्ट और वॉल्टर विलियम्स भी साथ चलना चाहते थे। स्कूल के बाद मैं पहले वॉरेन और फिर वॉल्टर के घर उन्हें साथ ले जाने की अनुमति लेने गई। हम जब पहुँचे तो श्रीमती हिल ब्रेड बना रही थीं। हिल परिवार ने अपना छोटा-सा खेत तीन साल पहले खरीदा था और अब वे घर की मरम्मत करवा रहे हैं। वॉरेन ने खुशी से गमकते

हुए मुझे घर में हुआ हर सुधार दिखाया। मुझे पत्थरों से बना बड़ा अलाव खास तौर पर पसन्द आया जो उन्होंने अपनी बैठक में बनवाया है। श्री हिल शिक्षक हैं और हर हफ्ते शनि और रविवार को घर आते हैं।

विलियम्स परिवार के यहाँ मैं वॉल्टर की माँ और दो छोटे बच्चों से मिली जो अभी स्कूल आने लायक नहीं हुए हैं। श्री विलियम्स कस्बे के लिए सड़कों का काम करते हैं। विलियम्स परिवार का फूल और सब्ज़ियों का बेहद सुन्दर बाग है। श्रीमती विलियम्स ने मुझे वे सारे डिब्बे दिखाए जिनमें उन्होंने पिछले सप्ताह फल भरे थे।

डण्डर परिवार एक छोटी-सी झोंपड़ी में रहता है। श्री डण्डर उस सम्पत्ति के दरबान हैं जिसके मालिक न्यू यॉर्क में रहते हैं। श्रीमती डण्डर ने बताया कि लड़कों की आज स्कूल आने की इच्छा ही नहीं हुई। मैंने उन्हें बताने की कोशिश की कि नियमित उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण है, पर उनका कहना था कि अगर लड़के आना ही न चाहें तो वे भला क्या कर सकती हैं। मैं उन पर कोई खास असर न डाल सकी।

आज रात अपने दैनिक कार्यक्रम की योजना मैंने सावधानी से बनाई। ज़ाहिर है जैसे ही इसमें कमी लगेगी वह फिर से बदल दी जाएगी। अब मैं कक्षाओं के विभाजन छोड़कर बच्चों को उन समूहों में रखने वाली हूँ जो उनके अनुकूल हों। इसका मतलब यह भी होगा कि समूहों की संख्या घटेगी और मैं प्रत्येक समूह के साथ अधिक समय बिता पाऊँगी। बड़े समूहों में काम करने से बच्चों को चर्चा के मौके मिलेंगे, वैचारिक आदान-प्रदान होगा और उनका सामाजिक विकास भी होगा, जो अकेले या छोटे समूहों में काम करने पर सम्भव नहीं होता।

शुक्रवार, 11 सितम्बर

हमारा उजाड़ खेल मैदान आसपास के खूबसूरत नज़ारों से बिलकुल विपरीत दिखता है। मुझे लगा कि स्कूल मैदान का सौन्दर्यीकरण हमारे प्रकृति और विज्ञान के अध्ययन के लिए सही शुरुआत रहेगा क्योंकि यह हमारे अध्ययन को एक व्यावहारिक उद्देश्य भी देगा। मैंने बच्चों को सुझाया कि हम अपने स्कूल परिसर के कुछ चित्र बनाएँ जिसमें हम वे बदलाव भी दर्ज करें जो हम भविष्य में करना चाहेंगे। हमने ब्लैकबोर्ड पर वे सारे क्षेत्र और स्थिर वस्तुएँ नोट कर

लीं जिनको हमें नापना था। तब हमने चौथी से आठवीं तक के सभी बच्चों को दो-दो की जोड़ियों में बाँट लिया। बच्चे नापने की टेप और गज़-फुट्टे लेकर बाहर चले गए और मैंने अपना ध्यान नन्हे-मुन्नों की ओर लगाया।

प्राथमिक समूह पतझड़ के लक्षणों की बात कर रहा था। बच्चे दबाने-सुखाने के लिए रंगीन पत्ते, तरह-तरह के बीज, कृमिकोश और पतझड़ के जंगली फूल लाएँगे। एलेक्स और गस काँच की शीशी में चींटियों की बाँबी लाना चाहते हैं, जैसा हमारी विज्ञान की किताब में सुझाया गया है, ताकि वे देख सकें कि चींटियाँ दरअसल शीतनिद्रा करती हैं या नहीं। यह सब हमारे विज्ञान संग्रहालय में जाएगा। हमें कागज़ की पवन-चक्कियाँ बनाने के लिए भी समय मिल पाया।

जब नन्हे बच्चे अपनी कागज़ की चक्कियों के साथ खेल में जुट गए तो मैंने स्कूल परिसर का चित्र बनाने में बड़े बच्चों की मदद की। हमने बोर्ड पर एक कच्चा-सा नक्शा बनाया जिसमें लम्बाई, चौड़ाई और दूरियाँ लिखीं, और फिर मिलजुलकर यह हिसाब लगाया कि कागज़ के आकार के अनुसार उनका नाप-जोख क्या रहेगा। बातचीत के दौरान बच्चों ने सुझाया कि स्कूल भवन के सामने फूलों की एक छोटी क्यारी बनानी चाहिए।

पुस्तकालय पठन के लिए मैं कुछ समय अलग से तय करती हूँ ताकि बच्चों को पढ़ने में दिशा दे सकूँ । इससे बच्चों को यह बताने का मौका भी मिलेगा कि वे क्या पढ़ रहे हैं। बच्चे पढ़ना पसन्द करने लगें इसका एक ही उपाय मुझे आता है। वह यह कि उन्हें पढ़ने दिया जाए, पर सन्तोषजनक स्थितियों में। आग्रह करने पर प्राथमिक समूह के चार बच्चे सबको यह बताने के लिए स्वेच्छा से आगे आए कि वे कौन सी किताबें पढ़ रहे हैं। मार्था ने अपनी बात बड़ी सिफत से रखी और समूह को मज़ा आया। विलियम और वॉल्टर कुछ संकोच से बोले, वह भी इतने धीमे कि सुनने में कठिनाई हुई।

स्वास्थ्य सम्बन्धी अच्छी आदतों की ज़रूरत ज़ाहिर ही है। मैंने सोचा कि इन आदतों को सुधारने में यथासम्भव व्यावहारिक उपाय ही अपनाने होंगे। रोज़मर्रा के जीवन में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में कुछ प्रारम्भिक टिप्पणियों के बाद मैंने बच्चों से ही पूछा कि वे सुबह उठने के बाद रात को सोने तक कौन-कौन से ऐसे काम करते हैं जिनका रिश्ता स्वास्थ्य से है। हमारे ब्लैकबोर्ड पर एक लम्बी सूची बन गई। तब मैंने रेखांकित किया कि क्योंकि हम जो कुछ भी करते हैं

लगभग उन सभी कामों में स्वास्थ्यप्रद आदतें जुड़ी होती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ज्ञान अच्छा जीवन जी पाने के लिए ज़रूरी है। हमने सोचा है कि हम सूची में आने वाले प्रत्येक बिन्दु पर बात करेंगे ताकि हम नए स्वास्थ्य आचरणों के बारे में "क्यों" के उत्तर तक पहुँच सकें।

आज खेल के पीरियड बेहतर रहे। आज दोनों एण्ड्रयूस् बालिकाओं के अलावा सभी बच्चे खेले। डॉरिस ने कहा कि उसका दिल कमज़ोर है।

स्कूल के बाद मैंने हमारे 4-एच वानिकी क्लब को व्यवस्थित किया। यह इलाका प्राकृतिक संसाधनों से सम्पन्न है। बच्चे जहाँ रहते हैं उसके बारे में उन्हें काफी कुछ जानना चाहिए। इससे उनकी जड़ें मज़बूत होती हैं, उनमें सुरक्षा और किसी स्थान विशेष से होने की भावना पनपती है। क्लब में इस इलाके में रहने वाले हाई स्कूल के विद्यार्थी भी होंगे। वे सब स्कूल के बाद कुछ समय शाला भवन में बिताते रहे हैं। शहर चार मील दूर है और स्कूल के अलावा कोई सामुदायिक संस्था है ही नहीं। इसलिए उनके लिए मनोरंजन का कोई दूसरा ठिकाना भी तो नहीं है।

इस पहली बैठक में हम ग्यारह जन थे और हाई स्कूल की पाँच लड़कियाँ। हमने "खज़ाने की खोज" का खेल खेला क्योंकि मैं जानना चाहती थी कि ये बच्चे अपने प्राकृतिक वातावरण के बारे में दरअसल कितना जानते हैं। हरेक सहभागी को किसी ऐसे प्राकृतिक नमूने की पहचान करनी थी जिसका नाम उसे पता हो, और तब वहीं खड़े रहना था, क्योंकि उसे नुकसान पहुँचाने से उसे दल से निकाल दिए जाने की शर्त थी। हाई स्कूल की दो लड़कियों के नेतृत्व में दो टोलियाँ बनीं। हमने अट्ठानवे नमूनों की पहचान की। ये बच्चे अपनी प्रकृति से सच में वाकिफ हैं!

डॉरिस प्रायः बस से घर जाती है, सो मैंने वादा किया कि आज रात अगर वह क्लब के लिए रुकती है तो मैं उसे घर छोड़ दूँगी। मैं उसकी माँ से मिली। वे एक शान्त महिला हैं जो घर से बिरले ही निकलती हैं। मुझे पता चला कि डॉरिस का दिल कमज़ोर नहीं है। उसकी माँ कहती हैं कि डॉरिस बहुत स्वस्थ बच्ची नहीं है। वह घर में लगातार टैप-नृत्य करती है और थक जाती है! मुझे डॉरिस को दूसरे बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उसे दूसरों से मेल-जोल के अनुभव की दरकार है। श्री एण्ड्रयूस् की मृत्यु हो चुकी है और श्रीमती

एण्ड्रयूस् को बच्चों के लिए सरकारी पेंशन मिलती है।

सोमवार, 14 सितम्बर

एकल-शिक्षक विद्यालय में पढ़ाने सम्बन्धी इतनी बारीकियाँ हैं कि मुझे लगता है मैं ढंग से कोई भी काम करना तब तक नहीं सीख पाऊँगी जब तक मैं उनमें से कुछ पर ध्यान केन्द्रित न कर लूँ। अगले कुछ समय तक मैं पठन और प्रबन्धन पर ही ध्यान केन्द्रित रखूँगी। मैं इन बच्चों को दिन में कई बार निर्देशित पठन अनुभव देने की कोशिश करूँगी।

इस तरह की शाला का प्रबन्धन कोई बड़ी समस्या नहीं होनी चाहिए। अगर कुछ रोज़मर्रा के काम व्यवस्थित हो जाएँ और कुशलता से निपटा लिए जाएँ, जैसे कमरे और परिसर की सफाई, तो हम दूसरे कामों पर ध्यान दे सकते हैं। पर एक दूसरी समस्या भी है। वह है खेल मैदान का प्रबन्ध जहाँ कुछ समय तक तो सावधानी से नज़र रखना ज़रूरी होगा। बच्चे दोपहरी के समय इधर-उधर भटकते रहते थे। सो उन्हें लग रहा है कि मैं उनका मध्यावकाश छीन ले रही हूँ क्योंकि मैं शारीरिक शिक्षा के पीरियड में उन्हें खेलने को कहती हूँ। स्कूल दरअसल छोटे-छोटे गुटों में बँटा हुआ है और एक-दूसरे में उनकी खास रुचि नहीं है। उनमें सामूहिक चेतना का अभाव है।

गस अपने पालतू सफेद चूहे को स्कूल लाया और हमने उस पर एक कहानी लिखी। प्राथमिक समूह अब उसे पढ़ना सीख रहा है। कहानी बनाना कठिन काम था और मुझे बच्चों से कई सवाल पूछने पड़े और तमाम सुझाव भी देने पड़े।

मैंने दो बड़े समूहों को इतिहास की दूसरी किताबें दी हैं जो इतनी कठिन नहीं हैं। बच्चे उन सवालों के जवाब भी लिखने लगे हैं जो मैं बोर्ड पर लिखती हूँ, परन्तु हम चर्चाओं के दौरान उन पर्चों को इस्तेमाल नहीं करते। जब बच्चों को किसी प्रश्न का उत्तर नहीं आता तब हम किताब में उत्तर तलाशते हैं और उसे बोलकर पढ़ते हैं। तब वह जवाब हम अपने शब्दों में लिखते हैं। यह प्रक्रिया उबाऊ है, पर इन बच्चों के लिए यह पहला कदम है। वे ऐतिहासिक सामग्री पढ़ना सीख रहे हैं, और अपने लेखन में तथ्यात्मकता और स्पष्टता लाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें काफी समय लग रहा है, लेकिन बाद में इसी कारण समय बचेगा भी।

मंगलवार, 15 सितम्बर

बच्चे ज़िम्मेदारियाँ लेकर जवाबदेह बनना सीखते हैं। अगर उन्हें बुद्धिमान नागरिक बनना है तो एक नागरिक की ज़िम्मेदारियों को निभाने का अभ्यास तो उन्हें करना ही होगा। दिन खत्म होने पर मैंने एक विज्ञान क्लब बनाने की चर्चा बच्चों से की। उन्हें ऐसे क्लब की गतिविधियों का कोई अन्दाज़ ही नहीं था, अतः ज़्यादातर बातचीत मुझे ही करनी पड़ी। मैंने समझाया कि समूह के समक्ष आने वाली समस्याओं का उन्हें साझा समाधान करना होगा और हम अपने स्कूल को रहने-जीने का एक बेहतर स्थान बनाने की कोशिश करेंगे। हमने क्लब का गठन किया और पदाधिकारी चुने। जब मैंने बच्चों से पूछा कि उनका अध्यक्ष कैसा होना चाहिए तो उनका जवाब था कि उसे दयालु, अच्छा और बड़ा होना चाहिए। उनका कहना था कि उपाध्यक्ष की भी ठीक यही योग्यताएँ होनी चाहिए और सचिव को लिखने में माहिर होना चाहिए। एना हमारी पहली अध्यक्ष है, रैल्फ हमारा उपाध्यक्ष, और मेरी हमारी सचिव। चुनाव के बाद हमने बोर्ड पर उन ज़िम्मेदारियों की सूची बनाई जिन्हें प्रतिदिन निभाना होगा और हमने यह भी तय किया कि ये काम कौन-कौन करेगा।

सामान्य प्रबन्धक – ओल्गा
कमरे की सफाई – रैल्फ और एडवर्ड
लड़कियों के टॉयलेट की सफाई – रूथ
लड़कों के टॉयलेट की सफाई – जॉर्ज
झाड़-पोंछ – कैथरीन व एलिस
हॉल प्रबन्धक – एना
पुस्तकालय प्रभारी – सोफिया
संग्रहालय प्रभारी – मे
हाथों की धुलाई – एण्ड्रयू
अलाव और कमरे का तापमान – फ्रैंक
मेज़ों का निरीक्षण – वॉरेन
झण्डे को चढ़ाना-उतारना – डॉरिस
खिड़कियाँ – मेरी

फूलों को पानी देना – हेलन
अलमारियों का निरीक्षण – वर्ना
बाहरी जूते और खाने के डिब्बे – रिचर्ड और वॉल्टर
खेल सामग्री – गस
कागज़ जलाना – एलेक्स
मेज़बान – एल्बर्ट
मेज़बान – मार्था

क्लब के कई नाम सुझाए गए और अन्ततः हमने उसे "सहायक क्लब" का नाम देना तय किया।

आज मैं ओल्सेउस्की परिवार के यहाँ गई। एना की माँ बड़ी खुश थीं कि उनकी बेटी को कक्षा का "हैड" चुना गया है। उनका रसोईघर बिलकुल सादा है, रगड़कर साफ किए गए फर्श पर लाइनोलियम तक नहीं है। बच्चे घर के सिले साधारण, तंग-ढीले कपड़े पहने थे, पर सबके कपड़े एकदम साफ थे। श्री ओल्सेउस्की की मृत्यु हो चुकी है और श्रीमती ओल्सेउस्की को बच्चों के लिए सरकारी पेंशन मिलती है। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों को नई शिक्षिका अच्छी लग रही हैं और उम्मीद ज़ाहिर की कि मैं अक्सर उनके यहाँ आऊँगी। लड़कियों ने पहले तो अपनी माँ से पोलिश भाषा में बात करने से ही इन्कार कर दिया। उन्होंने माँ को कहा था कि वे मेरे सामने अपनी भाषा का प्रयोग न करें। उन्हें डर था कि मुझे ऐसा करना अच्छा नहीं लगेगा। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं अपनी मातृभाषा न केवल बोल बल्कि पढ़ और लिख भी सकती हूँ तो वातावरण एकदम हल्का हो गया।

प्रिन्लैक परिवार के यहाँ मुझे ढेरों फूल दिए गए। इस परिवार में ग्यारह बच्चे हैं। दो काम करते हैं, पाँच पढ़ रहे हैं, और चार स्कूल जाने लायक आयु के नहीं हुए हैं। परिवार की आय सीमित है क्योंकि वह मात्र चार गायों के दूध पर निर्भर है। श्रीमती प्रिन्लैक कुपोषित और काम के बोझ से दबी लगती हैं।

बुधवार, 16 सितम्बर

गस के चूहे पर चर्चा आज बेहतर रही और जल्दी ही एक कहानी बन गई। बच्चों को लिखने के लिए कुछ मिल गया था।

हम जम्बो को देख रहे हैं।
वह सेब और रोटी खाता है।
वह जाली पर चढ़ जाता है।
वह अपना बिल बनाता है।
वह हमसे डरता है।
हम शोर कम करेंगे।

दोपहर बाद के सत्र में शान्ति-सी पसर आई। गणित कम-से-कम शरीर को तो शान्त करता है। मैं गणित का पीरियड दिन के आखिरी हिस्से में रखना पसन्द करती हूँ। आज मैंने वॉरेन को जोड़ना सीखने में मदद की। उसे पता था कि यह काम दूसरी कक्षा का था, पर उसने मेरी मदद स्वीकारी और रोया नहीं।

लौटते समय मैं श्रीमती सामेटिस से मिलने रुकी। श्री सामेटिस की शहर में दुकान है और वे महीने में एक बार घर आते हैं। घर अस्त-व्यस्त था और बहुत साफ भी नहीं था। उनकी एक बड़ी बेटी है जो हाई स्कूल में पढ़ती है और बड़ी चतुर लगती है। बाकी बच्चे भी शालीन और मज़ेदार हैं। मैं उनकी पृष्ठभूमि को ठीक से जानना चाहूँगी।

घर लौटने से पहले मैं हिल परिवार के यहाँ भी रुकी। हमने वॉरेन के बारे में लम्बी बातचीत की। वॉरेन जब शिशु शाला में जाने लगा तो उसमें संवेदनशीलता के लक्षण नज़र आने लगे थे। जब हिल परिवार ने यह खेत खरीद लिया तो वॉरेन को स्कूल बदलना पड़ा। शिक्षण के तौर-तरीके बदलने पर उसे परेशानी होने लगी। उसे जब यह लगने लगा कि वह पीछे रह जाएगा तो वह भावनात्मक रूप से इतना उद्वेलित हो गया कि उसके लिए आगे सीखना और कठिन बन गया। लड़कों को पता चल गया कि वह आसानी से बुरा मान जाता है। फिर क्या था, उन्होंने उसका जीना हराम कर डाला। एल्बर्ट छेड़छाड़ से इतना परेशान नहीं होता था, सो उसने नई परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको आसानी से बदल लिया। शायद श्रीमती हिल और मैं मिलकर वॉरेन की मदद कर सकें।

गुरुवार, 17 सितम्बर

आज सुबह स्कूल शुरू होने से पहले कुछ लड़के चोर-सिपाही खेल रहे थे कि रैल्फ ने सुझाया "चलो डॉजबॉल खेलते हैं।" नौ बजे से पहले सब के सब ज़ोर-

शोर से खेलने में जुट चुके थे! उन्हें एक-साथ खेलने में मज़ा आने लगा है।

वॉल्टर अपने कुत्ते को स्कूल ले आया और हमने उसके बारे में एक कहानी लिखी जो पालतू जानवरों की किताब का हिस्सा बनेगी। बड़े बच्चों का सामाजिक अध्ययन अब भी धीमी रफ्तार से चल रहा है। मैं बच्चों के सामाजिक अध्ययन के पर्चों का अँग्रेज़ी भाषा के लिए उपयोग कर रही हूँ। हम सामाजिक अध्ययन के पीरियड के कुछ हिस्से का उपयोग कुछ ज़रूरी भूल-सुधार के लिए करते हैं और यह जानने के लिए भी कि वे सुधार ज़रूरी क्यों हैं। किसी-किसी दिन हर बच्चा खुद अपना पर्चा पढ़ता है ताकि भूल पकड़ सके। जो बच्चे इसमें मदद चाहते हैं उनकी सहायता मैं करती हूँ। अन्य दिन अगर कई बच्चे एक-सी गलतियाँ करते हैं तो मैं उन पर पूरे समूह से बात करती हूँ। कभी-कभार अँग्रेज़ी की पुस्तकों में दिए गए अभ्यास भी करने पड़ते हैं ताकि बच्चों को कुछ ज़रूरी कौशलों का अभ्यास मिले। इसके लिए हम अँग्रेज़ी भाषा के नियमित पीरियड का इस्तेमाल करते हैं।

बच्चों द्वारा लिखे पर्चों को मैं जहाँ तक सम्भव है उनके साथ ही पढ़ना पसन्द करती हूँ। स्कूल के बाद उनके पर्चे जाँचना समय ज़ाया करने जैसा लगता है, क्योंकि जाँचने के बाद बच्चे उन्हें बिरले ही देखते हैं, सिवाय यह देखने के कि उन्हें कौन-सी श्रेणी मिली है। सो मैंने उनके पर्चों को श्रेणियाँ देना बन्द कर दिया है ताकि गलतियाँ ठीक करने पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके। बच्चों के साथ मिलकर करीब से काम करना अधिक कारगर है, और स्कूल के बाद का समय बच्चों और उनके समुदाय के बारे में जानने में, क्लब के द्वारा उनकी ज़रूरतें पूरी करने में और स्कूल कार्यक्रम के मूल्यांकन में लगाया जा सकता है।

पुस्तकालय के पीरियड में एल्बर्ट हिल ने "लिटिल ब्लैक सैम्बो" (नन्हा काला सैम्बो) की कहानी बड़े रोचक और मनोरंजक अन्दाज़ में सुनाई। दो बड़े बच्चों ने उन किताबों पर स्वेच्छा से बातचीत की जो वे पढ़ रहे हैं। यह पहली मर्तबा है कि बड़े बच्चों ने कुछ सुनाने की पहल की है। इन बच्चों को खूब बोलने की ज़रूरत है।

स्वास्थ्य के पीरियड में हमने स्कूल आने की तैयारी करते समय स्वस्थ आदतों की बात की। कुछ बच्चे बिना नाश्ता किए स्कूल आ जाते हैं। ज़्यादातर मंजन करना भूल जाते हैं। रूमाल लाना कुछ ही बच्चों को याद रहता है, क्योंकि

उनका कहना है कि रूमाल की ज़रूरत ही नहीं पड़ती। मैंने सुझाया कि हम अच्छी आदतों की एक सूची बना सकते हैं ताकि हम उन्हें याद रख सकें। हर बच्चे ने अपनी कॉपी में एक चार्ट बनाया और उसके सामने चौकोर खाने भी ताकि हर दिन उन पर निशान लगाए जा सकें। बड़े बच्चे छोटे बच्चों के लिए ठीक ऐसा ही चार्ट बनाएँगे। बड़े बच्चे प्रतिदिन अपने चार्ट में निशान लगाएँगे और उनमें से कोई छोटे बच्चों की मदद करेगा ताकि जाँच करने के बाद उनमें निशान लगाए जा सकें। मैं चुपचाप इस समूची गतिविधि को देखूँगी। मुझे उन्हें प्रोत्साहित करना होगा कि वे अच्छा नाश्ता खाया करें।

आज हमारी पहली क्लब बैठक हुई। एना बिलकुल सहज थी और उसने अच्छी तरह अध्यक्षता की। जहाँ तक संसदीय प्रक्रियाओं का प्रश्न था, मुझे बच्चों को काफी उकसाना पड़ा और चर्चा के विषय भी सुझाने पड़े। बच्चों ने कहा कि वे डॉजबॉल खेल-खेलकर उकता गए हैं। मैंने सुझाया कि वे अपनी इच्छानुसार खेल सारिणी बनाएँ। उन्होंने रैल्फ, रूथ और मेरी को चुन एक समिति बनाई ताकि वे अगले सप्ताह की खेल योजना बना लें। बच्चों ने ईमानदारी से खेलने और धक्कमपेल कम करने का मुद्दा भी उठाया और उस पर बात की।

स्कूल के बाद मैंने विलियम्स परिवार के घर रात का खाना खाया। बच्चे कुछ शर्माए और घबराए से रहते हैं। वे अपनी माँ को प्यार करते हैं। श्रीमती विलियम्स शिक्षा के नए तौर-तरीकों के पक्ष में हैं।

शनिवार, 19 सितम्बर

मैंने बड़े बच्चों की निदानात्मक जाँच के जो टेस्ट लिए थे, उनके नतीजे देख लिए हैं। नतीजों के अनुसार छह बच्चे (एना, ओल्गा, सोफिया, मे, हेलेन और मेरी) अच्छी तरह काम कर रहे हैं, और शेष आठ (रैल्फ, रूथ, कैथरीन, फ्रैंक, डॉरिस, वॉरेन, एडवर्ड और जॉर्ज) कुछ पिछड़े हुए हैं। ओल्गा और एना ने बहुत ही अच्छा काम किया था। बच्चों को सबसे ज़्यादा दिक्कत भाषा और पठन में है। वॉरेन अपवाद रहा; उसने इन दोनों विषयों में खूब अच्छा परिणाम दिया। जो अधिक कुशाग्र बच्चे हैं गणित उनका सबसे कमज़ोर विषय है। मैं इन बच्चों को लेकर जो सोच रही थी उसकी पुष्टि इन जाँचों से भी हुई है।

सोमवार, 21 सितम्बर

बच्चों को एक-साथ खिलाने में मुझे अभी भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सप्ताह की खेल योजना बनाने के लिए खेल समिति ने स्कूल से पहले अपनी बैठक की। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, जब शारीरिक शिक्षा के दोपहर बाद के पीरियड में फ्रैंक और जॉर्ज ने खेलने से इन्कार कर दिया, और कुछ समय तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। रैल्फ और एना ने समझदारी दिखाते हुए उन दोनों के बिना खेलने का निर्णय लेकर स्थिति सम्हाल ली। शेष बच्चों ने उनके सुझाव को मान लिया और खेल बढ़िया रहा। खेल मैदान में रैल्फ बच्चों के नेता के रूप में तेज़ी से उभर रहा है। मैंने फ्रैंक और जॉर्ज से बात की और उन्हें समझाया कि इतने बड़े समूह में हर समय, हर बच्चे को खुश करना सम्भव नहीं होता और कभी-कभार हमें ऐसे खेल भी खेलने पड़ते हैं जो हमें नापसन्द हों। अगर हरेक केवल वही खेल खेले जो उसे पसन्द हो तो कोई भी खेल खेलने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी ही नहीं मिलेंगे। इन बच्चों को अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान करना सीखना होगा। पर उपदेश का कोई खास असर उन पर शायद नहीं हुआ। मेरी बात समझने से पहले उन्हें उसका अनुभव करना होगा। आशा है समय के साथ यह अनुभव उन्हें मिलेगा।

दोपहर को एना और रूथ छोटे बच्चों को सैर के लिए ले गईं। उन्होंने बीज, पत्ते और फूल इकट्ठे किए। लड़कों ने मैदान में क्यारी बनाने की तैयारी की। दोपहर का पीरियड कितना शान्त था!

छोटे बच्चे बड़े बच्चों की तरह अच्छे से काम नहीं कर पाते। सुबह का पीरियड अकेले काम करने के लिए उन्हें बेहद लम्बा लगता है। मार्था और पर्ल अपना काम खत्म करने के बाद कुछ रोचक गतिविधि चुन लेती हैं। एल्बर्ट और विलियम अपना काम कभी समय से पूरा नहीं कर पाते हैं। वे एक-दूसरे की ओर मुँह बिचकाने में ही बहुत-सा समय बिता देते हैं।

मैं सोच रही थी कि पालतू जानवरों की पुस्तिकाएँ आज पूरी हो जाएँगी। जब मैंने यह सुझाया तो बच्चों ने प्रतिवाद किया, "नहीं, हमने अभी अपने मेंढक और गिलहरी के बारे में कुछ लिखा ही नहीं है।" पर्ल और मार्था आत्मनिर्भर हो गई हैं और वे मौलिक कहानियाँ लिखने लगी हैं। शेष बच्चे सामूहिक कहानियों को पढ़ना सीख लेने पर अपनी कॉपियों में उतार लेते हैं। प्रारम्भिक बच्चे सिर्फ चित्र ही बना रहे हैं।

मंगलवार, 22 सितम्बर

वॉरेन आज सुबह फिर दुखी था। किसी ने उसे "छोकरी" कहा और वह ऐसे रोया मानो उसका दिल ही टूट गया हो। मैंने उससे अलग से बात की और कहा कि अगर उसकी प्रतिक्रिया यही रही तो लड़के उसे छेड़ते ही रहेंगे। उसने कहा कि वह कोशिश करेगा कि वह न रोए, पर उसे लगता है कि कोई भी उसे पसन्द नहीं करता। मैंने कहा कि ऐसी बात नहीं है कि लड़के उसे पसन्द नहीं करते, पर वे उसकी कीमत पर थोड़ा मज़ा ले रहे हैं। उसने मुझे अपनी टिकटों का संग्रह दिखाया और पूछा कि क्या वह उसे स्कूल में रख सकता है। आज पहली बार वॉरेन ने अपना काम पूरा किया और दोपहर को वह किसी वास्तविक लड़के की तरह खेला।

आज मैं वैनिस्की परिवार से मिलने गई। श्री वैनिस्की ने टूटी-फूटी अँग्रेज़ी में बताया कि पिछले पन्द्रह सालों में अपने खेत को जमाने में उन्हें कितनी परेशानियाँ झेलनी पड़ी हैं, पर अब उनके चार बड़े बेटे काम सम्हालने को तैयार हैं। एडवर्ड परिवार में सबसे छोटा है। इस परिवार में आपसी रिश्ते घनिष्ठ हैं और समूचा परिवार बेहद मेहनती है।

बुधवार, 23 सितम्बर

छोटे बच्चों के सुबह के लम्बे पीरियड को मैंने दो पन्द्रह-पन्द्रह मिनट के कहानी सत्रों में बाँटने की कोशिश की। ओल्गा ने पहले सत्र में आधे बच्चों की ज़िम्मेदारी ली और फिर एना ने शेष बच्चों की। उन्होंने बच्चों को पढ़कर सुनाया। 11:40 पर वे बाहर खेलने चले गए। यह कारगर रहा। लौटकर वे फिर से काम में जुटे, जो कुछ काम करना था किया, और कल से अधिक सफाई से भी किया।

गुरुवार, 24 सितम्बर

बच्चों को यह बात अच्छी नहीं लगी कि हमारे जानवर हॉल में रखे गए हैं, क्योंकि तब वे उन्हें देख नहीं पाते। उन्होंने सुझाया कि हम अपने कमरे में ही एक कोना संग्रहालय के लिए बना लें। इसका मतलब था कि कुछ बदलाव किया जाए। अतः हमने दोपहर में कमरे को नई तरह से व्यवस्थित करने का निर्णय लिया। कमरे में जहाँ सबसे अधिक रोशनी है वहाँ हम पढ़ने का काम

करेंगे और हमारा पुस्तकालय भी वहीं रहेगा। विज्ञान संग्रहालय के लिए हमने सामने की ओर एक जगह ढूँढ ली है जहाँ वह किसी के आड़े न आए। कुछ जगह हमने छोटे बच्चों के खेलने के लिए छोड़ी है जिससे वे तब भी खेल सकें जब बाहर जाना सम्भव न हो। मेरी मेज़ कमरे में पीछे की ओर रख दी गई है क्योंकि उसको मैं वैसे भी कम ही काम में लेती हूँ। इसके बाद कमरा इतना अच्छा लगने लगा कि कुछ बड़ी लड़कियों ने स्कूल के बाद रुककर हमारी किताबों और सामग्रियों की अलमारी को भी साफ कर डाला। उनका कहना था कि एक सुन्दर, व्यवस्थित कमरे में वह बुरी लग रही थी।

स्कूल के बाद श्रीमती डूलियो ने मुझे बताया कि जब एण्ड्रयू सात साल का था तो उसके सिर पर गम्भीर चोट लगी थी। उसके ज़िन्दा बचने की उम्मीद नहीं थी। उन्हें लगता है कि इस घटना का उसके दिमाग पर असर पड़ा है। डूलियो परिवार यहाँ चन्द महीने पहले ही आया है। वे शहर से यहाँ आ गए हैं क्योंकि वहाँ रहना बड़ा खर्चीला था। वे मेहनती लोग हैं। अपने परिवार की देखभाल करने के साथ-साथ श्री डूलियो एक छोटी जागीर की देखभाल भी करते हैं।

शुक्रवार, 25 सितम्बर

बच्चों ने जो फूल-पत्तियाँ इकट्ठी की थीं उन्हें अब वे चिपका रहे हैं। बड़े बच्चे शान्ति से आधे घण्टे तक काम में जुटे रहे और इस दौरान मैंने पालतू जानवरों की पुस्तिकाओं पर जिल्द चढ़ाने में छोटे बच्चों की मदद की। तब एना ने अक्षर काट-काटकर उन्हें चिपकाने में इन नन्हों की मदद की और मैं बड़े बच्चों के साथ स्कूल परिसर की योजना बनाने बाहर चली गई। एना इन नन्हे-मुन्नों के साथ बड़ी शान्ति और सहजता से काम करती है। वह शिक्षिका बनना चाहती है। हमने इस बारे में बात की कि हमारा स्कूल मैदान कैसा दिखना चाहिए। कमरे में लौटने पर हम अपनी योजना के विभिन्न पक्षों पर कुछ पढ़ने के लिए समितियों में बँट गए। चार समितियाँ बनाई गईं जो सदाबहार पौधों, झाड़ियों, मिट्टी और जंगली फूलों के रॉक गार्डन के बारे में जानकारी इकट्ठी करेंगी। ये समितियाँ तय करेंगी कि कौन-कौन से पौधे हमें कहाँ लगाने चाहिए।

सहायक क्लब की बैठक अच्छी नहीं हुई। बच्चे काफी असहज हैं और जब "अध्यक्ष महोदया" कहते हैं तो घबराहट से हँस पड़ते हैं। मैं कोशिश करती हूँ कि बैठकें छोटी हों और बच्चे त्वरित कार्रवाई करें। आज हमने दो नियम बनाए:

हमें बिना अनुमति स्कूल परिसर से बाहर नहीं निकलना चाहिए, और हमें शाला भवन में घुसते समय शोर नहीं करना चाहिए।

दिन का काम अब आराम से होने लगा है और समय भी कम बर्बाद होता है। बड़े बच्चे महाद्वीप के इण्डियन बाशिन्दों के बारे में पढ़ रहे हैं और उत्तरी अमरीका के विभिन्न हिस्सों में उनके रहन-सहन पर एक चित्रवल्लरी बना रहे हैं। बिचला समूह सामाजिक अध्ययन की कक्षाओं में "इतिहास की झलकियों" की नाटकीय प्रस्तुतियाँ स्वतः ही करता रहा है और अब बच्चे कोलम्बस के जीवन पर एक नाटक लिखना चाहते हैं। यह काम करने, प्राकृतिक नमूनों की पहचान करने और पुस्तकालय की किताबें पढ़ने में बच्चों का खाली समय गुज़र रहा है। पर छोटे बच्चों के साथ मुझे इतनी सफलता नहीं मिल पाई है। उनके पास ज़ाया करने के लिए अब भी बहुत समय है।

खेल मैदान में और परेशानियाँ! शारीरिक शिक्षा के पीरियड के अन्तिम दौर में बेस बॉल का खेल चल रहा था। रैल्फ होम-प्लेट की ओर फिसलता हुआ बढ़ रहा था कि फ्रैंक ने उससे पल भर पहले ही गेंद से उसे छू दिया। मैं अम्पायर थी, मुझे कहना पड़ा "आउट"। रैल्फ यह कहकर पैर पटकता चल दिया कि वह और नहीं खेलेगा और सच में इसके बाद वह दिन भर नहीं खेला। स्कूल के बाद मैंने उससे बात की। उसकी शिकायत थी कि टोलियाँ सही नहीं हैं और सारे बड़े बच्चे फ्रैंक की टोली में हैं। मैंने उसे याद दिलाया कि वह भी उसी खेल समिति का सदस्य था जिसने मेरी बनाई टोलियों को सही ठहराया था। मैंने पूछा कि क्या उसे लगता है कि खेलने से मना करने पर समस्या सलट गई। मैंने सुझाया कि वह यह मसला खेल समिति में उठाकर टोलियों को अधिक न्यायपूर्ण बनाने की कोशिश कर सकता है।

हमारे वानिकी क्लब में हमने एक सरल-सा संविधान बनाया, पदाधिकारी चुने और प्रकृति हॉबी समितियों की योजना बनाई। सभी सदस्य भूविज्ञान में रुचि रखते हैं और मिलजुलकर उसका अध्ययन करना चाहते हैं। पशुओं की आदतों में भी उनकी रुचि है।

हाई स्कूल में जोन्स परिवार की दो लड़कियाँ हैं। मैं उनके साथ उनकी सबसे बड़ी बहन से मिलने गई जो उनकी देखभाल करती है। दो साल पहले उनकी माँ की मृत्यु हो गई थी, तब से वे दादी के साथ रहती हैं। श्री जोन्स कस्बे में

मैकेनिक हैं। मार्था ने पियानो पर मुझे कुछ प्रार्थनाएँ बजाकर सुनाईं। उसने उन्हें सुनकर बजाना सीखा है। रैल्फ ने पुराने कपड़े पहने और खेलने निकल गया। वह लड़कियों के साथ और समय नहीं बिताना चाहता था! मुझे लड़कियों के प्रति उसकी नापसन्दगी की पृष्ठभूमि अचानक समझ आने लगी। वह पाँच बहनों के बीच अकेला लड़का है और चार बहनें उससे बड़ी हैं।

सोमवार, 28 सितम्बर

आज सुबह खेल समिति की बैठक होनी थी ताकि दोनों टोलियाँ बराबरी की बनाई जा सकें। समिति बैठी, पर रैल्फ कहाँ था? जब वह आया तो उसने समिति का साथ नहीं दिया। समूह के हरेक सुझाव पर कहता रहा, "मेरी बला से। जो चाहो कर लो।" समिति ने मुझसे मदद चाही। मैंने सुझाया कि बैठक तब तक के लिए मुल्तवी कर दी जाए जब तक रैल्फ शान्त नहीं हो जाता। जब स्कूल शुरू हुआ तो अचानक बादल छँट गए और दोपहर को जब समिति फिर से मिली तो रैल्फ ने सक्रिय हिस्सेदारी की। इस पर फ्रैंक असन्तुष्ट हो गया। उसने कहा कि उसकी टोली कमज़ोर है। रैल्फ ने बड़ी उदारता से सुझाया कि वह टोली की अदला-बदली को तैयार है। तब कहीं मामला शान्त हुआ।

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैंने बोर्ड पर दिन की योजना लिखनी शुरू कर दी है। इससे कुछ बच्चे समय का बेहतर उपयोग कर पा रहे हैं। पर उन्हें इन योजनाओं के उपयोग का अभ्यास चाहिए। मुझे लगता है कि हर सुबह योजना पर बातचीत करना बेहतर होगा। बाद में शायद हम दिन का कार्यक्रम साथ मिलकर बना सकें।

आज खाना खाने बाहर जाने से पहले मैंने बच्चों से इधर-उधर खाना और कागज़ बिखरने पर बात की। शाम तक हमारी कक्षा और खेल मैदान काफी गन्दे हो जाते हैं। मैंने प्रबन्धक के रूप में ओल्गा को सफाई की ज़िम्मेदारी इस उम्मीद से सौंपी कि उसका आत्मविश्वास और समूह में उसकी कद्र बढ़ेगी। पर वह ठीक से काम नहीं कर पाती है, वह बच्चों को बेतरतीब काम करने देती है और कभी-कभार तो वे बिलकुल ही डण्डी मार देते हैं। समस्या आंशिक रूप से यह भी है कि बच्चे अपना काम करना जानते ही नहीं हैं। कैथरीन यह तो जानती है कि झाड़ने की ज़िम्मेदारी उसकी है, पर किस चीज़ को और कैसे झाड़ना है यह उसे पता नहीं है। जब बच्चे अपने आप गणित का काम कर रहे

थे तो मैं उन्हें एक-एक कर ले गई और उन्हें यह समझने में मदद की कि उनकी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी क्या है और उन्हें वह काम कैसे करना है। मैंने ओल्गा की अपने लिए एक जाँच-सूची बनाने में मदद की ताकि वह यह देख सके कि सब काम पूरे हुए हैं या नहीं। मैं जानबूझकर व्यक्ति के बदले काम को रेखांकित करती रही। इस तरह बच्चे एक-दूसरे की आलोचना करने के बदले शायद कुछ समय बाद एक-दूसरे की मदद करने लगेंगे ताकि काम ठीक से हो जाए।

मंगलवार, 29 सितम्बर

आज इतनी ठण्ड थी कि आग जलानी पड़ी। फ्रैंक ने दिन भर अलाव का ध्यान रखा। वह ज़िम्मेदार है और अलाव के बारे में मुझसे कहीं ज़्यादा जानता है। वह कमरे का तापमान नियंत्रित करने के लिए खिड़कियाँ भी उठाता-गिराता रहा ताकि हवा कम या ज़्यादा आए।

क्योंकि आज बरसाती दिन था, हमें अन्दर ही खेलना पड़ा। हमने "फलों की टोकरी का गिरना" और "रूथ और जेकब" के खेल खेले। हेलेन और मार्था बेहद शोर मचाती हैं। वे हर बात पर चीखती-चिल्लाती हैं। पर जोसेफ तो इनका भी बाप है। जब भी समूह सक्रिय होता है वह आपा ही खो बैठता है। पर बच्चों ने उसे नज़रअन्दाज़ करना सीख लिया है, सो वह जितनी बड़ी समस्या बन सकता है उतनी है नहीं। बच्चे शायद यह समझते हैं कि वह दरअसल अपने कृत्यों के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। एक सामान्य कक्षा की स्थिति में मैं जोसेफ के लिए बहुत कुछ कर नहीं सकती। उसे शायद किसी ऐसे संस्थान में होना चाहिए जहाँ उसे आवश्यक ध्यान मिल पाए।

आज सुबह पहली बार मैंने बच्चों से दिन के कार्यक्रम पर बात की और इससे काफी मदद मिली, क्योंकि उन्हें समझ आ गया कि उन्हें दिन भर में क्या-क्या करना है। मैंने बोर्ड पर सिर्फ बड़े बच्चों का कार्यक्रम ही लिखा।

आज की योजना

8:55 से 9:05: दिन की योजना बनाना।

9:05 से 9:20: समूह "अ" मेमोग्राफ से पढ़ेगा। हमारे देश के इण्डियन आदिवासियों के आवास और पाठों में दिए गए स्थायी और अस्थायी आवासों के बारे में भी पढ़ेगा। पुस्तिकाओं के लिए आवासों पर एक कहानी लिखना शुरू करेगा।

समूह "ब" कोलम्बस व रानी इसाबेला के वार्तालाप वाले दृश्य की योजना बनाएगा। वे क्या कहेंगे इसे लिख डालेगा।

9:20 से 9:40: समूह "ब" शिक्षिका के साथ, दृश्य पर बात करेगा। समूह "अ" ऊपर बताया काम जारी रखेगा।

9:40 से 10:00: समूह "अ" शिक्षिका के साथ, इण्डियनों के आवासों की चर्चा करेगा। समूह "ब" चर्चित हिस्से के लिए दृश्य की परिकल्पना करेगा।

10:00 से 10:20: खेल "जेकब और रूथ"।

10:10 से 11:20: समूह V पृष्ठ 87 से शुरू होने वाली कहानी पढ़ेगा और सामने वाले बोर्ड पर लिखे सवालों के उत्तर देगा। समूह VI पृष्ठ 92 से प्रारम्भ होने वाली कहानी पढ़ेगा और बगल वाले बोर्ड पर लिखे सवालों के उत्तर देगा। पढ़ने के बाद दोनों समूह किए जाने वाले काम की सूची देखेंगे।

11:20 से 11:40: समूह VI शिक्षिका के साथ, पठन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देगा। समूह V पढ़ना जारी रखेगा।

11:40 से 12:40: शिक्षिका के साथ, अँग्रेज़ी भाषा। इण्डियनों के आवासों और नाट्य प्रस्तुति की भूल सुधार।

1:00 से 1:30: शिक्षिका के साथ, हार्मोनिका का पाठ।

1:30 से 2:15: किए जाने वाले काम को देखना।

2:15 से 2:30: खेल।

2:30 से 2:45: वर्तनी, समूह IV शिक्षिका के साथ। शेष बच्चे कल की आरम्भिक परीक्षा में हुई भूल वाले शब्दों को पढ़ेंगे।

2:45 से 3:20: गणित, व्यक्तिगत काम की पर्चियों से। हेलेन और मेरी शिक्षिका के साथ काम करेंगी।

3:20 से 3:30: सफाई।

एक अन्य बोर्ड पर किए जाने वाले काम की सूची इस प्रकार थी:

परीक्षा में वर्तनी में भूल वाले शब्दों को कॉपी में उतारना।

गणित का काम पूरा करना।

चित्रवल्लरी पर काम करना।

पत्तियों व फूलों की पहचान करना।

फूलों की क्यारी की योजना बनाना।

शाला परिसर को सुन्दर बनाने वाली समिति का काम करना।

सामाजिक अध्ययन की जो कहानियाँ अधूरी हैं उन पर काम करना।

स्वास्थ्य सम्बन्धी बिन्दुओं को अपनी नोटबुक के लिए साफ कागज़ पर उतारना।

बुधवार, 30 सितम्बर

बारिश ने फिर हमें अन्दर रखा, पर हार्मोनिका ने हमें बचा लिया। संगीत के पीरियड में हमने अभ्यास किया। हालाँकि छोटे बच्चे बजाना नहीं सीख रहे, पर वे भी आज सुनना चाहते थे। बच्चों को इसमें इतना मज़ा आया कि शारीरिक शिक्षा के पीरियड में बाहर न जा पाने के कारण हमने फिर से संगीत का अभ्यास किया।

समूह "अ" के बच्चे सामाजिक अध्ययन में तेज़ी से प्रगति कर रहे हैं, और आज पहली बार एक स्वतःस्फूर्त चर्चा हो सकी। सभी बच्चों ने हिस्सा लिया। इण्डियनों के बारे में जानने की जिज्ञासा उनमें है। अब तक इस विषय पर खास गतिविधियाँ नहीं हो सकी हैं। बच्चे अपनी-अपनी कुर्सियों पर जमे रहते हैं। वे चित्रवल्लरी के अपने-अपने हिस्सों पर काम कर रहे हैं और बाद में उन्हें एक साथ जोड़ेंगे। प्रत्येक बच्चा एक सचित्र नोटबुक भी बना रहा है जिसमें कहानियाँ हैं। ये कहानियाँ हर पाठ के प्रश्नों के उत्तरों पर आधारित हैं।

सप्ताह के बीच की वर्तनी परीक्षा में वॉल्टर बिलकुल टूट गया क्योंकि उसे लगा कि वह शब्दों के सही हिज्जे नहीं लिख पा रहा। मैंने उससे कहा कि वह परीक्षा के बारे में भूल जाए और परीक्षा दे रहे दूसरे बच्चों को सुने। जब शेष बच्चे अपनी गलतियाँ सुधार रहे थे और शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दे रहे थे, मैंने वॉल्टर को धीमी गति से शब्द पढ़कर सुनाए और उससे उन्हें लिखने को कहा। वह यह जान खुशी से पगला गया कि वह उन्हें लिख सकता था। "अगली बार दूसरों के साथ परीक्षा देने में तुम्हें दिक्कत नहीं होगी, है ना?" मैंने पूछा। उसने जवाब नहीं दिया पर उसके चेहरे की मुस्कान ने बहुत कुछ कह दिया।

गुरुवार, 1 अक्तूबर

दोपहर बाद शारीरिक शिक्षा के पीरियड में मैं बड़े बच्चों को एक इण्डियन नृत्य सिखाने लगी और यह देख चकित रह गई कि एक भी बड़े लड़के ने इस पर कोई आपत्ति नहीं उठाई। उन्हें अपनी काउंटी के इण्डियनों के बारे में पढ़ने में मज़ा आ रहा है। हमने पाठ्यपुस्तकें किनारे रख दी हैं और कुछ समय के लिए स्टेन्सिल की गई उस सामग्री को देख रहे हैं जो मैंने तैयार की है।

शुक्रवार, 2 अक्तूबर

आज सुबह तैयार की गई क्यारियों में हमने फूलों के बीस कन्द बोए, यह तय करने के बाद कि उन्हें कैसे और कहाँ बोना है। लड़कों ने उनके इर्द-गिर्द तारों का बाड़ा बना दिया ताकि उन्हें पड़ोसियों की भेड़ों से बचाया जा सके। जंगली फूलों वाले रॉक गार्डन की समिति ने उन जंगली फूलों की सूची बनाना शुरू कर दिया है जो हमारे इलाके में उगते हैं। भू-समिति ने विभिन्न प्रकार की मिट्टी और जल निकास के बारे में कुछ पढ़ा। वे अपनी सामग्री काउंटी पुस्तकालय की किताबों से ले रहे हैं। शेष दो समितियों ने कैटेलॉग मँगवाने के लिए बीज कम्पनियों को पत्र लिखे हैं।

स्वास्थ्य का पीरियड हमने स्वास्थ्य पुस्तिकाओं के आवरण बनाने में बिताया। मैंने बच्चों को चौकोर खाने वाले कागज़ों पर अक्षर लिखना सिखाया। छोटे बच्चों के लिए स्वास्थ्य के विषय पर कोई औपचारिक पाठ नहीं हैं। पर हाँ, कभी-कभार हम आदतें सुधारने के मकसद से कुछ बातें ज़रूर करते हैं। फिर भी दिन भर में स्वास्थ्य शिक्षा के तमाम मौके मिलते हैं। स्वास्थ्य निरीक्षण के समय मैं उन्हें कुछ सुझाव देती हूँ। पठन के पीरियड में किताबें कैसे पकड़नी चाहिए, उनके काम पर रोशनी कैसे पड़नी चाहिए, पढ़ने बैठते समय रीढ़ की हड्डी क्यों सीधी होनी चाहिए आदि पर बात होती है। खुली हवा में खेल-कूद, बीमारियों, खासकर ज़ुकाम, पेंसिलों और कैंचियों जैसे उपकरणों के इस्तेमाल आदि के दौरान स्वास्थ्य शिक्षा और स्वस्थ आचरण के तमाम मौके निकल ही आते हैं।

हरेक बच्चा अपने हार्मोनिका पर सारे स्वर बजा लेता है और अब मैं उन्हें "अमेरिका", हमारी राष्ट्रीय धुन, सिखा सकती हूँ।

वानिकी क्लब की बैठक में हमने कोलम्बस दिवस पर एक पिकनिक की योजना बनाई। शेष समय हम बाहर थे और मैंने समूह को प्लास्टर ऑफ पेरिस से जानवरों के खुरों के निशानों के साँचे बनाना सिखाया। पर हमारे पास केवल नेगेटिव बनाने का ही समय था।

क्लब की बैठक के बाद मैं कार्टराइट परिवार से मिलने गई। श्रीमती कार्टराइट घर के दरवाज़े पर ही मिलीं जिसे सच में मरम्मत की ज़रूरत है। सालों से घर में रंग-रोगन नहीं हुआ है। खिड़कियों में से काँच गायब हैं और उन की जगह पर गन्दे चीथड़े घुसेड़े हुए हैं। छत में बड़े-बड़े सुराख हैं जिससे छहतीर नज़र आते हैं। दरवाज़ा खाँचे में ठीक से नहीं समाता है। मेरे पहुँचने पर सभी बच्चे छिप गए और झाँक-झाँककर मुझे देखते रहे। श्रीमती कार्टराइट के खुद के छह बच्चे हैं और छह सौतेले बच्चे हैं। मैं अब सभी बच्चों के घर जा चुकी हूँ और इससे उनके स्कूली आचरण पर सच में काफी रोशनी पड़ी है।

सोमवार, 5 अक्तूबर

आज मैंने ओल्गा के साथ बैठक की। यह किसी अकेले बच्चे के साथ मेरी पहली नियमित बैठक थी। यद्यपि मैं ज़रूरत पड़ने पर किसी भी बच्चे के साथ अकेले बातचीत करती हूँ, पर अब तय किया है कि मैं प्रत्येक बच्चे के साथ माह में कम-से-कम एक बार नियमित बैठक करूँगी । इस बैठक में हम उसके काम का साझा आकलन कर सकते हैं और आगामी माह में उसमें सुधार की योजना बना सकते हैं। उम्मीद है कि मैं उन्हें अपने बारे में बात करने की प्रेरणा दे सकूँगी ताकि वे मुझे बताएँ कि उन्हें क्या पसन्द है और क्या पसन्द नहीं है, उनकी महत्वाकांक्षाएँ और दुष्चिन्ताएँ क्या हैं और उन्हें किन चीज़ों में मज़ा आता है। इसके अलावा भी वे जो कुछ भी मुझसे कहना चाहें कह सकेंगे। ओल्गा बेहद शर्माई हुई थी और "हाँ" और "ना" से ज़्यादा बोल नहीं पाई। उसकी कॉपियाँ बड़ी तरतीब से व्यवस्थित थीं और उसका काम पूरा था। मैंने उसकी मेहनत की प्रशंसा की तो वह शर्माकर मुस्कुराई। मैंने पूछा कि वह अगले महीने क्या करना चाहती है। उसे पता नहीं था। मैंने सुझाया कि वह पुस्तकालय के पीरियड के लिए एक अच्छी-सी रपट तैयार करे।

मंगलवार, 6 अक्तूबर

ओल्गा और एना अपने समूह के लिए तय किए गए काम से अधिक काम कर पाती हैं। क्योंकि शेष बच्चों के साथ मुझे रफ्तार कम रखनी पड़ती है, मैं इन लड़कियों को और सुझाव भी देती हूँ ताकि वे दूसरों से कुछ अधिक पठन या लेखन का काम करें। फिलहाल वे एक मौलिक नाटक पर काम कर रही हैं। आज उन्होंने यह नाटक समूह को पढ़कर सुनाया। बच्चों को लगा कि वे इसका उपयोग अपने माता-पिता और मित्रों के मनोरंजन के लिए कर सकते हैं। इस कार्यक्रम से वे स्कूल में दोपहर के गर्म भोजन की परियोजना के लिए पैसे जुटाना चाहेंगे। लेकिन आम राय यह थी कि नाटक एक रंगारंग संध्या के लिए कुछ छोटा था। सोफिया ने सुझाया कि हम अपने इण्डियन लोगों के बारे में चित्रवल्लरी को समझाने के लिए उस पर भाषण भी दे सकते हैं। हम अपने इण्डियन अवशेषों के संग्रह को भी दिखा सकते हैं। एडवर्ड, जो इस चर्चा को सुन रहा था, ने कहा, "हम कोलम्बस वाला नाटक भी पेश क्यों नहीं कर सकते हैं?" इस पर सामाजिक अध्ययन के दो समूह जुड़ गए और दोनों ने मिलजुलकर मनोरंजन संध्या की योजना बनाई।

आज सुबह के खेल घण्टे में वॉरेन और लड़कों के बीच फिर से झड़प हुई। मैंने वॉरेन से अपने आँसू पोंछने को कहा और उसे किसी काम से पड़ोस में भेजा ताकि मैं दूसरे बच्चों से बात कर सकूँ। मैंने समूह को समझाया कि अगर वॉरेन बड़ा होकर ऐसा इन्सान बन जाए जिसे आहत होने पर हर बार रोना पड़े तो बहुत बुरा होगा, और हम उसकी मदद के लिए कुछ भी नहीं कर रहे। मैंने सुझाया, "अगर तुम सब उसके साथ भी वैसा ही आचरण करो जैसा एक-दूसरे के साथ करते हो, तो शायद तुम देखोगे कि वह बुरा लड़का नहीं है।" बच्चे जिस तरह मुझे देख रहे थे उससे यह लगा कि उन्हें स्थिति को इस नज़र से देखना नई बात लग रही थी। उन्होंने अब तक यह नहीं सीखा है कि दूसरे इन्सानों के प्रति भी हमारा कोई दायित्व होता है। जब वॉरेन लौटा तो सब अपने-अपने काम में लगे हुए थे और किसी ने उसकी ओर देखा तक नहीं।

आज सुबह स्कूल शुरू होने से पहले मैं लड़कों से उनके द्वारा पढ़ी किताबों के बारे में बात कर रही थी। फ्रैंक ने कहा कि उसने *पिनोकिओ* पढ़ी थी। उसे वह पुस्तक इतनी पसन्द आई कि वह उसे फिर से पढ़ना चाहता था। कई और बच्चों

को भी ठीक ऐसा ही लगा था, सो रैल्फ ने पूछा, "आप क्या उसे पढ़कर हमें नहीं सुना सकतीं?" तब फ्रैंक ने बताया कि पिछले साल कैसे उसने लकड़ी का पिनोकिओ बनाया था।

बच्चे कठपुतली प्रदर्शन के बारे में जानते थे पर उन्होंने कोई प्रदर्शन देखा नहीं था। मुझे लग रहा है कि इन शर्मीले बच्चों के लिए यह एक बढ़िया गतिविधि हो सकती है। वे एक-दूसरे के लिए नाटक तैयार कर सकते हैं और इन नाटकों के कई स्वतःस्फूर्त प्रदर्शन भी। अगर वे इन कठपुतलियों में खो सकें तो वे मुक्त हो जाएँगे, उनमें सन्तुलन आएगा और उनकी भाषा में प्रवाह भी। वे नाटक की तैयारी के माध्यम से सहकार करना और दायित्व उठाना सीख सकेंगे। पर पहले मुझे खुद कठपुतली बनाना और उसे नचाना सीखना होगा।

आज रात मैंने एना के साथ बैठक की। उसका काम भी उतना ही उम्दा है जितना ओल्गा का। एना ने अपनी दो बहनों के बारे में काफी कुछ बताया। वे दोनों न्यू यॉर्क शहर में हाऊसकीपर हैं। हाई स्कूल में न पढ़ पाने का उन्हें आज तक मलाल है। उन्होंने तय किया है कि उनके शेष भाई-बहनों को यह मौका ज़रूर मिले। एना को आगामी माह के काम के बारे में कोई इल्म नहीं था। मैंने सुझाया कि जब वह अपनी छोटी बहन की भूल सुधारे तो अपने गुस्से पर काबू रखने की कोशिश करे। हमने अच्छे दोस्तों की तरह एक-दूसरे से विदा ली।

बुधवार, 7 अक्तूबर

शारीरिक शिक्षा के पीरियड में गज़ब की बहसबाज़ी चलती है! जैसे ही एक टीम हारने लगती है, उसके सदस्य दूसरी टीम पर चालबाज़ी का आरोप लगाते हैं। बड़े बच्चों ने छोटे बच्चों के साथ मेरे खेल में दो बार रुकावट डाली और अन्ततः मुझे कहना पड़ा, "अगर हम इकट्ठे खेल ही नहीं सकते तो शायद हमें खेलना ही नहीं चाहिए।" जब हम अन्दर लौटे तो मैंने उन्हें यह गौर करने को कहा कि वे सब बिना सोचे-समझे कही और की गई बातों से कितने दुखी हैं। उन्हें लगता है कि खेल के स्कोर ही सबसे महत्वपूर्ण हैं, पर असल में खेलने के आनन्द का कहीं अधिक महत्व है। मन में भरे गुस्से और ऐंठन के चलते शारीरिक अभ्यास ने भला क्या लाभ पहुँचाया होगा?

गुरुवार, 8 अक्तूबर

कल के भाषण का कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि खेल का समय और भी गुस्से से भरा था, और रैल्फ, फ्रैंक और जॉर्ज खेल छोड़ गए। जब बाकी बच्चे खेल रहे थे तो हम चारों ने बातचीत की। "लड़को," मैंने कहा, "हमें इस समस्या को सिरे से सुलझाना होगा। तुम्हारे क्या सुझाव हैं?" फ्रैंक ने सुझाया कि वह और रैल्फ बारी-बारी अपनी टोलियाँ चुनें, इससे दोनों टोलियाँ बराबर रहेंगी। मैंने फ्रैंक से कहा कि मेरी तरह वह भी जानता है कि दोनों टोलियाँ कभी भी बिलकुल बराबर की नहीं हो सकतीं। "पर अगर हम खुद अपनी टोली चुनते हैं तो कमज़ोर टोली के लिए हम खुद ज़िम्मेदार होंगे, सो हमें उसे झेलना होगा," फ्रैंक ने प्रतिवाद किया। उसने यह सुझाव भी दिया कि हर सप्ताह नई टोलियाँ बनाई जाएँ ताकि सबके साथ न्याय हो। खैर, नतीजा तो समय ही बताएगा।

स्कूल के बाद माताओं के साथ मेरी पहली बैठक हुई। उन्हें बैठक के लिए शाला भवन आने का अभ्यास नहीं है। ग्यारह में से मात्र पाँच माताएँ आईं: श्रीमती ओल्सेउस्की, श्रीमती विलियम्स, श्रीमती कार्टराइट, श्रीमती थॉमसन और मार्था की सबसे बड़ी बहन जो जोन्स परिवार का घर सम्हालती है। हमने लंच कार्यक्रम के लिए वित्त जुटाने की बात की। मैंने उन्हें रंगारंग कार्यक्रम के बारे में भी बताया जिसकी योजना हम बना रहे हैं। उन्होंने बिक्री के लिए केक और रवे की मिठाई बनाने का प्रस्ताव रखा। कई बच्चे रुक गए थे, उन्होंने अपनी माँओं को वह काम दिखाया जो वे कर रहे थे। बैठक संक्षिप्त और दोस्ताना थी।

शुक्रवार, 9 अक्तूबर

शारीरिक शिक्षा के पीरियड आज ठीक रहे। रैल्फ और फ्रैंक ने बारी-बारी टोलियों को चुना और बच्चों ने बेसबॉल खेला। मैंने छोटे बच्चों के साथ "घेरे में खरगोश" खेला। पीरियड के बाद फ्रैंक मेरे पास आया और बोला, "हमें मज़ा आया, मिस वेबर।" रैल्फ की टोली जीती और दिन भर जीतती रही। इससे फ्रैंक को अपनी बात सिद्ध करने का मौका मिला और वह जाँच में खरा भी सिद्ध हुआ।

मैंने वानिकी क्लब को प्लास्टर ऑफ पेरिस के नेगेटिव साँचे को पॉजिटिव बनाना सिखाया। अन्तिम आधे घण्टे में मैंने यथासम्भव सरल भाषा में पृथ्वी की

रचना और पत्थरों के बनने और टूटने की कथा सुनाई। यह पत्थरों और खनिजों के हमारे अध्ययन की भूमिका थी। हाई स्कूल की कुछ लड़कियों ने स्वेच्छा से नोट्स लिखे। उनकी रुचि गहरी थी।

स्कूल के पहले दिन से आज ठीक एक महीना हो चुका है, और मुझे लगता है कि यह आकलन के लिए सही समय है।

इस माह सबसे पहले तो मैंने इस छोटे-से स्कूल के बच्चों से परिचित होने, उनकी पृष्ठभूमि का पता लगाने, उनकी ज़रूरतों और क्षमताओं को जानने की कोशिश की। बारह परिवारों के अट्ठाईस बच्चे हैं। तीन परिवार पोलिश हैं, एक इतालवी, एक यूनानी और सात अमरीकी। वैनिस्की परिवार को छोड़ दें तो शेष सभी आर्थिक दृष्टि से असुरक्षित हैं। ज़्यादातर परिवारों के जीवन का भौतिक स्तर काफी कमज़ोर है। परन्तु मैंने पाया कि हिल, थॉमसन व ओल्सेउस्की परिवारों का आध्यात्मिक स्तर ऊँचा है और पारिवारिक जीवन भी समृद्ध है। सामेटिस परिवार के बच्चों में ऐसी शाइस्तगी है कि मुझे लगता है कि इस घर में ऐसे मूल्य हैं जो उनके रोज़मर्रा के अनगढ़ से जीवन में नज़र नहीं आ सकते।

मोटे रूप से सभी बच्चे शोर-शराबा करते हैं। वे पढ़ने में कमज़ोर हैं। वे कुछ व्यक्तिवादी भी हैं। वे बहुत साफ नहीं हैं और अपने कमरे और आसपास की स्थिति के प्रति लापरवाह हैं। वे संकोची हैं। पर उन्हें चीज़ें इकट्ठी करने का शौक है, वे प्रकृति को जानते हैं, गीत गाना पसन्द करते हैं, सुझावों को खुले मन से स्वीकारते हैं और खुशमिज़ाज हैं।

उनके व्यक्तित्वों में भारी अन्तर है, जैसा हमेशा होता ही है। सभी ओल्सेउस्की बच्चे तेज़, कुशाग्र और योग्य हैं। हेलेन खिलन्दड़ छोकरे-सी है और पूरी तरह बहिर्मुखी। वह हमेशा किसी-न-किसी से बहस में उलझी रहती है। एना हेलेन के आचरण को नापसन्द करती है क्योंकि वह खुद बाकायदा एक सुशील महिला है। मेरी इन दोनों का सुखद मिश्रण है और उसे शायद समूह में सबसे ज्यादा पसन्द किया जाता है।

प्रिन्लैक बच्चे सबसे शर्मीले हैं। वे दूसरों से तब तक कोई वास्ता नहीं रखते जब तक उपेक्षा करना असम्भव न हो जाए। प्रिन्लैक बच्चों में एलिस और फ्रैंक सबसे कम शर्माते हैं। पर्ल अक्सर यों व्यवहार करती है मानो किसी ने उससे

दुर्व्यवहार किया हो और वह बदला ले रही हो।

सामेटिस बच्चे हरेक गतिविधि के लिए प्रस्तुत रहते हैं। उनकी भाषाई अभिव्यक्ति बेहद सुन्दर है। वे सब दुबले-पतले हैं और उनके बैठने-खड़े होने का अन्दाज़ समूह में सबसे खराब है। विलियम की आँखें बेहद काली हैं और उनमें हास्य दमकता है।

रैल्फ और मार्था जोन्स को वास्तव में एक माँ की दरकार है। उनकी बड़ी बहन और दादी इस कमी को पूरा करने की भरसक कोशिश करती हैं, पर प्यार और समर्पित सेवा तो सिर्फ माँ ही दे सकती है। दादी के साथ उनकी अक्सर झड़प हो जाती है। वे यह नहीं समझ पाते कि एक बढ़िया घर उन्हें दादी के कारण ही मिल पाया है। ये दोनों बच्चे बुद्धिमान हैं। मार्था में अपनी ओर से पहल करने की बहुत क्षमता है।

रूथ थॉमसन हमेशा ठिठियाती रहने वाली शर्मीली लड़की है, पर वह सबको पसन्द भी आती है। चर्चा में उसका योगदान कम रहता है क्योंकि काम में उसकी गति कुछ सुस्त है और वह उसे कठिन भी लगता है। उसकी माँ समुदाय के साथ मेरे काम में मदद करने वाली हैं ताकि मैं गलतियाँ न करूँ। बड़े सलीके से वे मुझे समझा देती हैं कि मुझे क्या करना या नहीं करना चाहिए।

एण्ड्रयूस् लड़कियों को समझना कठिन है। उन्हें देखकर मुझे लगता है कि मेरा हर काम उन्हें नापसन्द है। वे मुझे सवालिया नज़र से घूरती रहती हैं। उनसे दोस्ती करने के लिए मुझे विशेष प्रयास करने होंगे। दोनों लड़कियाँ अभिनेत्रियाँ, खासकर नृत्यांगनाएँ बनना चाहती हैं।

एलबर्ट हिल मस्तमौला है, कुछ आलसी और लापरवाह पर अन्यथा सन्तुलित है। वॉरेन कुशाग्र और अतिसंवेदनशील बच्चा है जो भावनात्मक रूप से असन्तुलित है। वॉरेन की माँ समझदार हैं। हम दोनों सन्तुलित होने में उसकी मदद करना चाहती हैं ताकि वह अपनी क्षमताओं का विकास कर सके।

एडवर्ड वैनिस्की एक गदराया-सा, आराम-पसन्द लड़का है। उसका पसन्दीदा जुमला है "मैं नहीं करना चाहता।" वह चुपचाप रहता है और अब तक उसके बारे में मैं कुछ खास नहीं जान पाई हूँ, जैसा शान्त रहने वाले बच्चों के साथ अक्सर होता है। उसका काम अमूमन घटिया होता है।

घुँघराले बालों वाले एण्ड्रयू डूलियो को समूह में सब पसन्द करते हैं। अपनी उम्र के हिसाब से उसका आकार छोटा है और सब उसे नन्हा ही समझते हैं। एण्ड्रयू रूथ का खास दोस्त है।

डण्डर बच्चे कठिन समस्या हैं। मैंने जोसेफ को उसका नाम लिखना सिखाने की बहुतेरी कोशिशें की हैं, पर यह असम्भव काम लग रहा है। वह बेहद शोर-शराबा करता है। उसे व्यस्त रखने के लिए काम तलाशना मुश्किल है क्योंकि समूह में उसका ध्यान ही सबसे कम अवधि के लिए केन्द्रित हो पाता है। अधिकतर समय हम उसके गुल-गपाड़े की उपेक्षा करते हैं। जब छोटे बच्चे बाहर नहीं होते तो मैं उसे जितना हो सके उतना खेलने देती हूँ। लगता है कि जॉन पढ़ना सीखने लगा है। उसका व्यवहार सामान्य बच्चों-सा है।

कार्टराइट बच्चों की उम्र समूह के लिहाज़ से काफी हो चुकी है और वे बेहद सुस्त हैं। वे शान्त हैं और दिए गए काम को मेहनत से करते हैं। वे सफाई में हिस्सेदारी करते हैं और कमरे के साफ-सुथरे होने में दूसरे बच्चों से अधिक गर्व लेते हैं।

विलियम्स बच्चे बिलकुल साफ और बढ़िया कपड़े पहने रहते हैं। श्रीमती विलियम्स की बहन उन्हें कपड़े देती रहती हैं। दोनों बच्चे स्कूल में लोकप्रिय हैं और उनसे सब जलते भी हैं। बड़ी लड़कियाँ जॉयस को लाड़ लड़ाती हैं और उसके कपड़े सँवारती रहती हैं। वे ऐसा व्यवहार करती हैं मानो वह एक विशेष गुड़िया हो। वॉल्टर से दोस्ती करना ज़रा कठिन है। ऐसा नहीं कि वह दोस्ती करना नहीं चाहता है, पर वह एक नन्हे खरगोश-सा संकोची है।

बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति की कुछ चेष्टाएँ मैंने इस माह की हैं। दैनिक गतिविधियों में बदलाव किए हैं और उन्हें और समृद्ध बनाने की कोशिश की है।

हमारे कमरे का रूप बदल गया है और अब वह हमारी गतिविधियों के अनुरूप लगता है। बैठने की व्यवस्था अभी भी औपचारिक है। कमरे के पिछवाड़े दाहिने कोने में हमारा पुस्तकालय है जिसमें एक अलमारी, लाइनोलियम की फर्श, एक कार्ड-टेबल और क्रेट की चार नारंगी कुर्सियाँ हैं। मेज़ पर एक सुन्दर मेज़पोश और कुछ रंगीन किताबें हैं। पीछे बाएँ कोने में मेरी मेज़ है। कमरे के सामने की ओर दाहिने हाथ पर हमारा प्रकृति कोना है, जिसमें शीतनिद्रा में लिप्त चीटियों की बाँबी है, एक एक्वेरियम में कछुआ है, सेलोफेन के नीचे रूई पर मढ़े जंगली

फूल हैं, मोम लगी पतझड़ की पत्तियों की एक पुस्तिका है और एक पुस्तिका पत्तियों के छापों की है। इसके अलावा, पत्थरों, फफूँद और चिड़ियों के घोंसलों का एक संग्रह है, और एक तश्तरी में काई व बेरियाँ हैं। कमरे के सामने की ओर बाएँ कोने में पठन कोना है जहाँ मैं पठन समूहों के साथ काम करती हूँ। और बीचों-बीच है नन्हे-मुन्नों का खेल कोना। बच्चे घर से कुछ गुड़ियाएँ, उनके कपड़े, एक पलंग, कुछ गुटके, कुछ जिग-सॉ पहेलियाँ और कुछ टूटी-फूटी गाड़ियाँ ले आए हैं। हमारे सूचना-पट्ट और उसके नीचे वाली टाँड पर हमने इण्डियन लोगों के अवशेष सजाए हैं। इनमें पच्चीसेक बाणों के शिर, एक कुल्हाड़ी, एक सिल-लोढ़ा, कुछ चिकने पत्थर और बरतनों के टुकड़े हैं। हमारे पास इण्डियन लोगों के कई चित्र और उनसे सम्बन्धित कहानियाँ भी हैं। इस सूचना-पट्ट के ऊपर इण्डियन आवासों की चित्रवल्लरी है।

दूसरे सूचना-पट्ट पर हमारे खेल-चार्ट हैं। सूचना-पट्टों के नीचे वे पुस्तिकाएँ हैं जो प्राथमिक समूहों ने बनाई हैं। इनमें स्कूल में लाए गए पालतू जानवरों की कहानियाँ और उनके चित्र हैं। एक चार्ट प्राथमिक रंगों का है। प्राथमिक समूह के बड़े बच्चों द्वारा बनाई गई किताबें भी हैं जो उन्होंने अपनी रीडर में छपी कहानियों पर बनाई हैं। ठीक सामने वाली दीवार पर खिड़कियों के नीचे सामाजिक अध्ययन से सम्बन्धित समस्याओं व प्रश्नों के चार्ट हैं जो बिचले और बड़े समूह के लिए हैं। साथ हैं बड़े बच्चों द्वारा बनाई इण्डियन लोगों पर किताबें। कमरे के सामने वाले ब्लैकबोर्ड के नीचे वे पुस्तिकाएँ हैं जो प्राथमिक समूह ने पशुओं के आवासों पर बनाई हैं। बिचले समूह द्वारा बनाया गया एक नक्शा भी है जो दर्शाता है कि कोलम्बस द्वारा अमरीका की खोज से पहले दुनिया के बारे में लोग कितना जानते थे।

आगामी महीनों में मैं इन लड़के व लड़कियों को समझने की कोशिश जारी रखूँगी और उनकी क्षमताओं को सामाजिक रूप से वांछनीय तरीकों से विकसित करने की चेष्टा करूँगी।